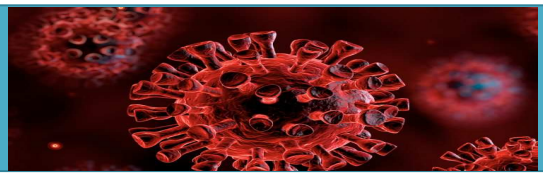

कोविड–19 कोरोना महामारी मे राहत कार्यो की रिपोर्ट

BRLF

संस्था – मानव जीवन विकास समिति

आर्थिक सहयोग – भारत रूरल लावलीहुड फाउण्डेशन

कार्यक्षेत्र : जिला – दमोह, ब्लॉक – तेन्दुखेड़ा , पंचायत – 25 , गांव – 60

राहत परिवार संख्या – पहले चक्र मे 750 परिवार, दूसरे चक्र मे 100 परिवार, **कुल 850 परिवार।**

पृष्ठभूमि – 21 मार्च 2020 के दिन जब 1 दिन का भारत बंद जैसी घोषणा प्रधानमंत्री जी द्वारा की गई उसी दिन से ऐसा महसूस होने लगा था की दुनिया मे चल रहे चहल पहल मे भारत भी अछूता नही रहेगा। कोविड–19 कोरोना वायरस का संक्रमण भारत मे दिखाई देने लगा इससे यह महसूस हुआ कि उन गरीब परिवारों पर खाने का पहाड़ टूटने वाला है। जैसे 24 अप्रैल के बाद लॉकडाउन लगा तो दो चार दिन तो माहौल खिंच गया परन्तु जैसे ही दिन बढ़ने लगे तो गरीबों पर खासकर उन परिवारों पर जो दिन भर की मजदूरी कर अपना पेट भरते है तथा जो एकल महिला है। घूम–घूम कर रोजी रोटी कमाने वाले लोग तथा छोटी जोत वाले किसान जिनके खेतो पर पकी रवि की फसल खड़ी थी कटाई करने जा नही सकते थे और वर्ष भर का घर मे रखा खाद्यान्न खत्म हो रहा था क्योंकि अप्रैल मई के महीने मे नई फसल आ जाती है। इन तमाम परिस्थितियों के कारण गावों व शहरो के झोपड़ पट्टी इलाको मे खाने की समस्या खड़ी हो गई।

इस महामारी का तांडव जैसे ही अपना विकराल रूप दिखाया मानव जीवन विकास समिति ने अपने शुभ चिंतकों, सहयोगियों से बात किया उसी कड़ी मे हृदय से आभारी रहूंगा भारत रूरल लाईलीहुड फाउण्डेशन नई दिल्ली फौरी तौर पर बीआरएलएफ ने अपने सहयोगी साथियों के साथ योजना का रूप दिया और पहले किस्त मे दमोह जिले के तेन्दुखेड़ा ब्लॉक के 750 परिवारों को सूखा राशन बांटने की अनुमति के साथ आर्थिक सहयोग दिया सबसे ज्यादा धन्यवाद् बीआरएलएफ के टीम को धन्यवाद् क्योंकि अपने घरों मे लॉकडाउन के समय कोरेन्टाईन रहते हुए भी कार्य को फौरी तौर पर आगे बढ़ाया तथा जब समिति ने अपने स्थानीय साथियों के सहयोग से टेलीफोनिक लाभार्थियों की सूची तैयार किया और दमोह प्रशासन से अनुमति लेकर फील्ड मे उतरे तो कार्य को पहले किस्त को पूर्ण किया गया जब 60 गांवों मे 750 परिवारों को राशन वितरण किया गया तो गांवों मे ऐसे 100 परिवार को और चिन्हित किया गया जिन्हे राशन की आवश्यकता थी पुनः बीआरएलएफ से निवेदन किया और 100 परिवारों को राशन वितरण करने की अनुमति के साथ आर्थिक सहयोग किया गया। ऐसे अब कुल मिलाकर 850 परिवारों को 14 प्रकार के खाद्यान्न किट का बंटवारा किये जबकि हमने बीआरएलएफ के द्वारा दिये गये सूची के आधार पर बच्चों को ध्यान मे रखते हुए 4 पॉकेट बिस्किट भी शामिल किये गये तथा इसके अलावा नमक और कपड़े धोने का पाउडर के साथ 5 किलो आटा और 5 किलो चॉवल जबकि बीआरएलएफ की सूची मे आटा/चावल मिलाकर 8 किलोग्राम था।

BRLF

मानव जीवन विकास समिति और BRLF के राहत कार्य

मानव जीवन विकास समिति एक गैर सरकारी संस्था (NGO) है। जो कटनी जिले के बिजौरी (मझगंवा) में रजिस्टर्ड है। समिति अपने ट्रेनिंग के साथ म.प्र. के 7 जिलो के 11 ब्लाकों के अन्तगर्त 300 गांवो में आजीविका, पानी संरक्षण, जैविक खेती, रुरल टूरिज्म, वन अधिकारी अधिनियम के साथ ट्रेनिंग(प्रशिक्षण) के काम विगत 20 वर्षो से ग्रामीण सूदूर ग्रामीण अंचलों में कर रही है। समिति के पास उक्त विषयों पर जानकारी रखने वाली सक्षम कार्यकर्ताओं की टीम है।

भारत रुरल लाइवली फाउंडेशन

भारत रुरल लावलीहूड फाउण्डेशन (BRLF) की स्थापना भारत सरकार के द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका के साधन स्थानीय स्तर पर खड़े हो। इस उद्धेश्य को ध्यान में रखते हुये 2013 में दिल्ली में गठन किया गया है। जो आजीविका के विषय पर ग्रामीण क्षेत्रों मे काम करने वाली NGO का चयन कर स्थानीय जिला प्रशासन के साथ मिलकर चयनित गांवो के वंचित समुदाय के बीच काम करती है।

कोरोना राहत कार्य

मानव जीवन विकास समिति और BRLF मिलकर दमोह जिले के तेंदूखेड़ा ब्लाक और पन्ना जिले के शाहनगर ब्लाक के 80 गाँवों में 8000 परिवारों के साथ आजीविका के साधन पानी सरंक्षण स्थानीय क्षमता को बढ़ाना तथा आय संवर्धन के काम कर रहे हैं। तेंदूखेड़ा ब्लाक के 25 पंचायतों के 60 गांव में 6000 परिवारों के साथ हमारा सीधा सम्पर्क व काम का जूड़ाव है।
कोविड - 19 कोरोना महामारी में हमारे तरफ से आपके लिए एक छोटा सा खाद्यान्न का सहयोग है।

www.mjvs.org

ग्राम बिजौरी, पो. मझगवां, जिला- कटनी (म.प्र.)
07626-275223,9425157561

BRLF

कोविड-19 कोरोना महामारी में सहायता हेतु खाद्यान्न सामग्री की सूची

सं.	सामग्री	मात्रा
1.	आटा	5 किलो
2.	चावल	5 किलो
3.	दाल	1.5 किलो
4.	चना	1 किलो
5.	तेल	500 ग्राम
6.	गुड़	1 किलो
7.	हल्दी	100 ग्राम
8.	धनिया	100 ग्राम
9.	मिर्ची	100 ग्राम
10.	नमक	2 किलो
11.	कपड़े धोने का पावडर	250 ग्राम
12.	साबून	04 नग
13.	बिस्किट का पैकेट	04 पैकेट
14.	सैनेटरी पैड	02 पैकेट

www.mjvs.org

ग्राम बिजौरी, पो. मझगवां, जिला- कटनी (म.प्र.)
07626-275223,9425157561

इस पूरे प्रक्रिया मे समिति, दमोह जिला प्रशासन को धन्यवाद् ज्ञापित करती है क्योंकि दमोह कलेक्टर को मेल के द्वारा उन 750 परिवारों की सूची पहले किस्त की भेजी तो कलेक्टर महोदय ने एसडीएम तेन्दुखेड़ा को राशन वितरण करने के लिए हमारे दो साथियों को घनश्याम भाई और नरेश खटीक को 10 दिन की अनुमति प्रदान कर दी तथा जिस वाहन से राशन गांव गांव मे वितरण करना था उस गाड़ी की भी अनुमति प्रदान कर दी। और समय समय पर गांवों मे बांटे जा रहे खाद्यान्न सामग्री की मोनीटरिंग अपने कर्मचारियों से लेते रहे तथा पंचायतों के सरपंच, सचिव व रोजगार सहायक का भरपूर सहयोग रहा।

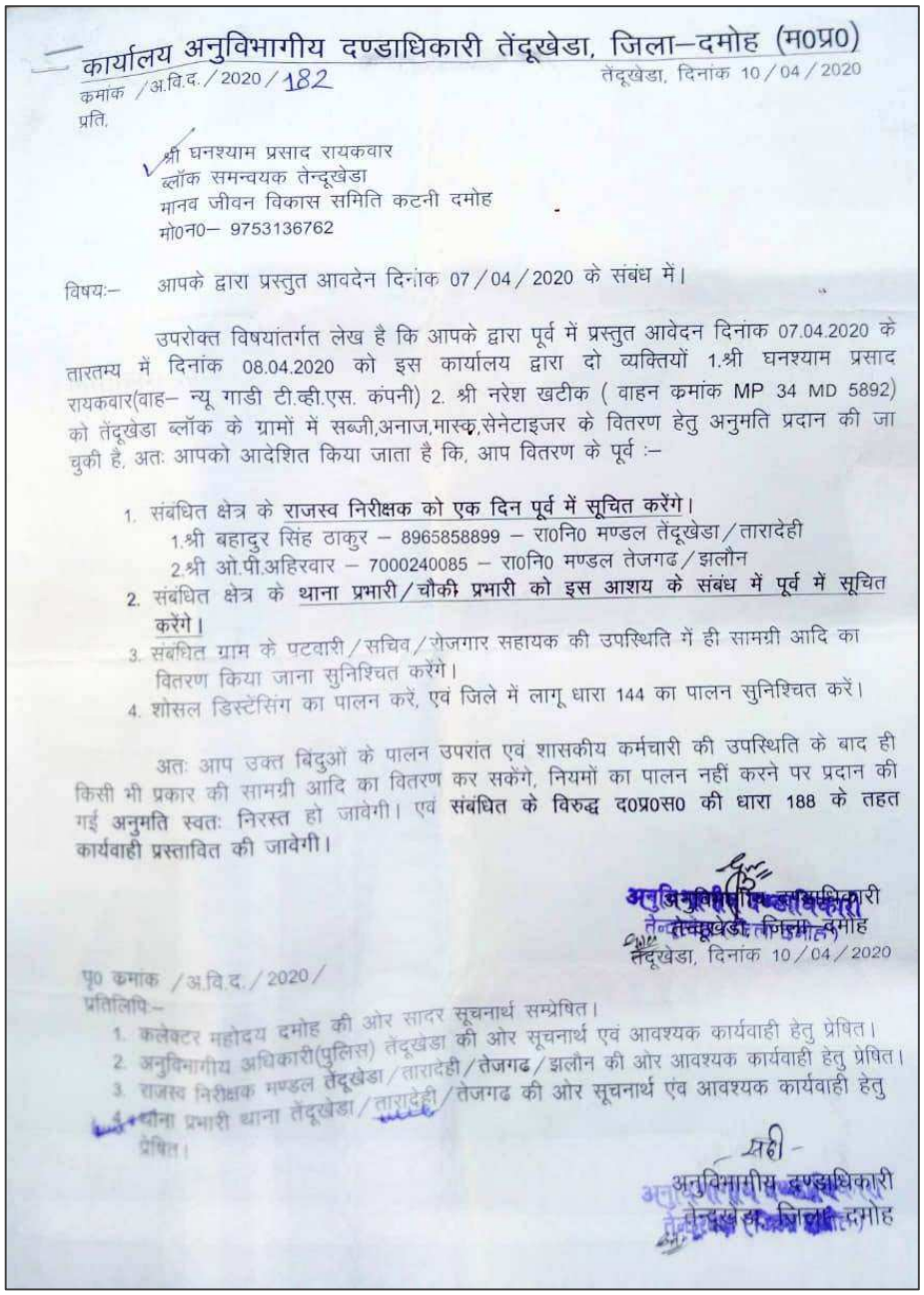

कार्यालय अनुविभागीय दण्डाधिकारी तेंदूखेडा, जिला–दमोह (म0प्र0)

कमांक /अ.वि.द./2020/182 तेंदूखेडा, दिनांक 10/04/2020

प्रति,

श्री घनश्याम प्रसाद रायकवार
ब्लॉक समन्वयक तेन्दूखेडा
मानव जीवन विकास समिति कटनी दमोह
मो0न0– 9753136762

विषयः– आपके द्वारा प्रस्तुत आवदेन दिनांक 07/04/2020 के संबंध में।

उपरोक्त विषयांतर्गत लेख है कि आपके द्वारा पूर्व में प्रस्तुत आवेदन दिनांक 07.04.2020 के तारतम्य में दिनांक 08.04.2020 को इस कार्यालय द्वारा दो व्यक्तियों 1.श्री घनश्याम प्रसाद रायकवार(वाह– न्यू गाडी टी.व्ही.एस. कंपनी) 2. श्री नरेश खटीक (वाहन कमांक MP 34 MD 5892) को तेंदूखेडा ब्लॉक के ग्रामों में सब्जी,अनाज,मास्क,सेनेटाइजर के वितरण हेतु अनुमति प्रदान की जा चुकी है, अतः आपको आदेशित किया जाता है कि, आप वितरण के पूर्व :–

1. संबंधित क्षेत्र के **राजस्व निरीक्षक को एक दिन पूर्व में सूचित करेंगे।**
   1.श्री बहादुर सिंह ठाकुर – 8965858899 – रा0नि0 मण्डल तेंदूखेडा/तारादेही
   2.श्री ओ.पी.अहिरवार – 7000240085 – रा0नि0 मण्डल तेजगढ/झलौन
2. संबंधित क्षेत्र के **थाना प्रभारी/चौकी प्रभारी को इस आशय के संबंध में पूर्व में सूचित करेंगे।**
3. संबंधित ग्राम के पटवारी/सचिव/रोजगार सहायक की उपस्थिति में ही सामग्री आदि का वितरण किया जाना सुनिश्चित करेंगे।
4. शोसल डिस्टेंसिंग का पालन करें, एवं जिले में लागू धारा 144 का पालन सुनिश्चित करें।

अतः आप उक्त बिंदुओं के पालन उपरांत एवं शासकीय कर्मचारी की उपस्थिति के बाद ही किसी भी प्रकार की सामग्री आदि का वितरण कर सकेंगे, नियमों का पालन नहीं करने पर प्रदान की गई **अनुमति स्वतः निरस्त हो जावेगी। एवं संबंधित के विरुद्ध द0प्र0स0 की धारा 188 के तहत कार्यवाही प्रस्तावित की जावेगी।**

अनुविभागीय दण्डाधिकारी
तेन्दूखेडा, जिला–दमोह
तेंदूखेडा, दिनांक 10/04/2020

पृ0 कमांक /अ.वि.द./2020/
प्रतिलिपिः–

1. कलेक्टर महोदय दमोह की ओर सादर सूचनार्थ सम्प्रेषित।
2. अनुविभागीय अधिकारी(पुलिस) तेंदूखेडा की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
3. राजस्व निरीक्षक मण्डल तेंदूखेडा/तारादेही/तेजगढ/झलौन की ओर आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
4. प्रभारी थाना तेंदूखेडा/तारादेही/तेजगढ की ओर सूचनार्थ एंव आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

सही–
अनुविभागीय दण्डाधिकारी
तेन्दूखेडा, जिला–दमोह

Distribution Details of Covid-19 Relief Material

Manav Jeevan Viksa samiti, Katni

Block- Tendukheda, District – Damoh

S. No.	Name of Panchayat	Name of Village	Number of Beneficiaries
1	Bagdari	Ghutaria	14
2		Bagdari	12
3		Dukarsata	12
4	Jhalon	Jhalon	13
5	kotkheda	kosmda	10
6		Kotkheda	14
7	Ajeetpur	Ajeetpur	20
8		Dalpatpur	17
9	KhamariaKala	Dewrinijam	9
10		KhamariaKala	10
11	Magdupura	Magdupura	15
12		Anchalpura	6
13	Sehri	Sehri	14
14	Samdai	Pateria Mal	17
15		Pateria Chek	19
16		Samdai	10
17	Khamharia Shivlal	Khamaria shivlal	19
18		Pindrai	13
19	Chandna	Harrai	7
20		Palwa	8
21		Chandna	9
22	Dhaneta	Dhaneta	13
23		Oriyamal	14
24	Sasnakala	Sasnakala	14
25	Boriya	Boriya	14
26		Sanai	15
27		Sarsaila Mal	14
28		sarsaila raiyat	5
29	Jamun	Hanumat Bago	10
30		Pindrai	17
31		Jamun	19
32	Dhangor	Dhangor	13
33		Baheriya	11
34		Baheriya Raiyat	8
35	Bhaisa	Majhgava	14
36		Bhaisa	14
37		Foolar	15
38	Sarra	Sarra	12
39		Madho	12

S. No.	Name of Panchayat	Name of Village	Number of Beneficiaries
40	Kudpura	Kudpura	7
41		Dewrishankar	11
42	Bamnoda	Bamnoda	16
43		Dahra	15
44		Kewlari	15
45		Sataperi	23
46	Bisnakhedi	Bisnakhedi	19
47		Sasnakhurd	14
48		Hardua	13
49	Podi	Jaitgarh	12
50		Podi	13
51	Harrai Sigourgarh	Harrai Singorgarh	14
52		Richyau	8
53	Chhirkona	Chhirkona	10
54		Dhodha	10
55	Mahaguakala	Mahaguakala	14
56		Richkudee	13
57	Bamhori	Bamhori	11
58		Ramadehi	10
	Total	**750**	

Aditional Kits

S. No.	Panchayat	Village	Beneficiaries
1	Bisna khedi	Bisnakhedi	7
2	Bagdari	Gubra	15
3		Tipni	15
4	Dhaneta	Dhaneta	8
5		Oria	6
6	Jhalon	Jhalon	10
7	Samdai	Pateria mal	7
8		Samdai	3
9	Chhirkon	Chhirkon	3
10		Dhodha	3
11	Harrai singorgah	Harrai singorgah	5
12	Khamariya shivla	Khamariya shivla	6
13	Kotkheda	Kotkheda	4
14	Sarra	Sarra	8
	Total	**100**	

खाद्यान्न खरीदने व पैकिंग की प्रक्रिया – बीआरएलएफ से जैसे ही आर्थिक सहयोग की अनुमति मिली समिति ने अपने सीनियर साथियों के साथ बैठक किये क्योंकि लॉकडाउन के कारण हमारे कुछ साथी हमारे ट्रेनिंग सेंटर मे ही कोरेन्टाईन हो गये थे काफी टेलीफोनिक चर्चा करने के बाद न तो हम दमोह तेन्दुखेड़ा जा पा रहे थे और न ही वहां से सामान खरीद पा रहे थे। यह निर्णय लिया गया की पूरा का पूरा सामान कटनी मे ही खरीदा जाये और अपने सेंटर मे लाकर पैकिंग किया जाये और एक ट्रक के माध्यम से पूरा सामान एक साथ तेन्दुखेड़ा भेजा जाये और यह भी तय किया गया की बीआरएलएफ, एमजेव्हीएस के प्रोग्राम समन्वयक श्री चन्द्रपाल कुशवाहा जो की कटनी मे ही रहते है। एवं उनके साथ मे एमजेव्हीएस के कार्यकर्ता श्री दयाशंकर यादव दो तीन दिन मे कटनी मार्केट का पूरा सर्वे करेंगे वह भी सुबह सुबह क्योंकि कुछ ही दुकानें सुबह 6 बजे से 10 बजे तक खुलती थी। ये दोनो साथी तीन से चार दिन बाजार जाकर वस्तु का मूल्य, वस्तु का सैम्पल, और दुकान का पता व फोन नम्बर आदि एकत्र किये। फिर टेलीफोनिक चर्चा के आधार पर दुकानदारों से बात करके खरीददारी तय हुई फिर एक–एक, दो–दो सामान पीकअप गाड़ी से लाकर एमजेव्हीएस के सेंटर मे पैकिंग किया गया तथा सामान सुरक्षित रहे इसके लिए बोरी सिलने वाली मशीन तलासकर सभी बोरियों की सिलाई की गई तथा बोरी के ऊपर एक स्टीकर की भी साथ मे सिलाई किये ताकि सभी को जानकारी रहे की इस बोरी के अन्दर क्या–क्या सामान है और मोबाईल नम्बर लिखा गया ताकि कोई शंका हो तो फोन पर जानकारी पूछ सकते है।

वितरण प्रक्रिया – एमजेव्हीएस सेंटर से एक बड़े ट्रक मे लगभग 12.500 टन सामग्री दमोह के तेन्दुखेड़ा के लिए रवाना किया गया तेन्दुखेड़ा मे एमजेव्हीएस आफिस के मकान मालिक से एक कमरा (हाल) खाली कराकर सेनेटाईज कराकर वहां आधा राशन किट रखी गई और आधा राशन किट किराये की गाड़ी पीकअप पर रखी गई इस प्रकार से गांव वाईज रखने व बांटने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। दिनांक 16 अप्रैल 2020 से बांटना प्रारम्भ कर 20 अप्रैल 2020 तक मे 25 पंचायत के 58 गांव के 750 परिवारों तक राशन किट वितरण करने का काम पूरा किया गया। इस काम मे गांव के सरपंच, सचिव, बुजुर्ग व सम्पन्न घरानो के लोग बढ़चढ़ कर हिस्सा लेकर मदद किये। वितरण करते समय जब गांव के बुजुर्ग परिवार के महिला, पुरूष, विधवा, एकल महिला राशन लेने आती थी और राशन लेकर जाती थी तो उनके आंखों की झलक अलग ही दिखाई देती थी। राशन किट वितरण करने के पहले स्थानीय कार्यकर्ता द्वारा सोसल डिस्टेंशिंग के लिए चूना से गोला बनाकर, बैनर लगाना और उसी बैनर के पास जाकर सामान लेने के लिए सेनेटाईजर से हाथ को सेनेटाईज करना और सामान को उपलब्ध कराना और हस्ताक्षर करना हाथ और पेन कागज को प्रत्येक नये व्यक्ति के आने पर सेनेटाईजर से सेनेटाईज करने के लिए एक व्यक्ति को सिर्फ यही काम करने के लिए तैयार किया जाता रहा है।

इस पूरे वितरण के समय टेलीफोनिक सूचना के आधार पर शाम 4 बजे बीआरएलएफ कोविड–19 ग्रुप मे रिपोर्टिंग कटनी आफिस से की जाती रही है। तथा उसी जानकारी को कलेक्टर दमोह को एवं एसडीएम तेन्दुखेड़ा को प्रेषित की जाती रही है। कलेक्टर दमोह द्वारा धन्यवाद्, वेलडन, गुड जैसे मैसेज आते रहे है। इस पूरे वितरण प्रक्रिया मे बीडीए – एमजेव्हीएस ग्रुप मे रोज की हर व्यक्ति की फोटो गांव वाईज वितरण करने वाली टीम के साथ शाम 4:30 बजे तक आती थी क्योंकि शाम 5 बजे के बाद वितरण का काम नही करते थे क्योंकि वितरण टीम जिनको वितरण करने की अनुमति मिली थी उन्हे अपने घरो मे समय से पहुंचना होता था।

अतिरिक्त राशन वितरण प्रक्रिया – ब्लॉक के 58 गांवों मे जब राशन किट वितरण पहले चक्र का किया जा रहा था तो दो गांव छूट गये थे क्योंकि ये दोनो गांव जंगल के अंदर होने के कारण कोई भी मोबाईल नेटवर्क न हो पाने के कारण स्थानीय कार्यकर्ता उन गांवो मे सम्पर्क नही कर पाया था। जब पहले चक्र का राशन किट वितरण करने दूसरे गांव मे जाने का मौका मिला तो उन छूटे हुए गांव मे सम्पर्क करके पात्र लोगों की सूची तैयार किया जिसमे 15–15 लोग निकल आये तथा जब अन्य दूसरे गांवों मे राशन वितरण हो रहा था तो पहले किस्त की सूची के आधार पर कई लोग छूट गये थे तो पूरे 60 गांव की नई सूची अपडेट किया तो 100 लोगों की सूची तैयार हुई और पहले चक्र मे 750 लोगों को राशन बांटने के बाद पैसा बेलेन्स रह गया था उसी पैसे को बीआरएलएफ से अनुमति 100 लोगों को भी राशन किट वितरण किया गया। इस बार अच्छी बात यह थी की तेन्दुखेड़ा मे ही एक दुकानदार सामान देने के लिए तैयार हो गया जिससे 100 राशन किट तैयार करवाकर एक पीकअप से दो दिन मे वितरण किया गया।

वितरण के अनुभव – हमारे दोनों ब्लॉक समन्वयक व एक स्थानीय कार्यकर्ताओं द्वारा राशन किट बांटी जा रही थी उस समय की तीन घटनायें मेरे लिए काफी प्रभावित की एक तो चंदना गांव मे एक बुजुर्ग जो अपने लाठी के सहारे चल पा रहे थे और लाटी लेकर ही आये हुए थे उनके दोनों पैर मे काफी तकलीफ थी वे सीधे नही हो पा रहे थे। जब उनको उस गोलाकार मे खड़ा कर जो सोसल डिस्टेंसिंग के लिए चूना से गोला बनाया गया था सेनेटाईजर से उनके हाथ सेनेटाईज कराये जा रहे थे तो बिना लाठी के खड़ा होना मुश्किल हो रहा था जब उनके हाथ मे 12 किलोग्राम वजन का खाद्यान्न किट दिया तो वे बुजुर्ग लाठी वही गिराकर राशन किट को बड़ी मुश्किल से पकड़ ही पाये की वो तो बांटने वाले का सहारा लेकर किट को जमीन मे रख दिया और दोनो हाथ से उस राशन किट को छूकर प्रणाम करते हुए गांव के दूसरे नव जवान जो पंचायत के गेट के पास खड़े थे उनको सहारे के लिए बुलाया और उनके सहारे अपने घर तक उन नवजवानो के कंधे मे रखवा कर पहुंचा लिए। वह नवजवान ने जब बोरी खोलकर बोरी मे लगे स्टीकर के अनुसार मिलाया तो वह नवजवान और बुजुर्ग इतनी प्रसन्न निद्रा मे थे कि उनकी खुशी को लेखनी मे बयान करना मुश्किल काम है।

ग्राम हर्रई ग्राम पंचायत हर्रई सिंघगोधगढ़ मे चार बच्चों के माता का बचपन मे ही देहान्त हो गया था। इनके पिता श्री राम सिंह गोंड़ वर्ष 2000 मे मानपुरा से हर्रई अपने परिवार के साथ आये थे। परिवार मे राम सिंह गोड़ उनकी पत्नि व चार बच्चे थे जो मजदूरी कर अपना जीवन यापन कर रहे थे। लेकिन कुछ ही वर्ष बीतने के बाद 2014 मे राम सिंह को अटैक आ जाने से देहान्त हो गया। अब तो उनके परिवार का जीवन बड़ी मुश्किलों मे उलझ गया। स्वर्गीय राम सिंह की पत्नि शशी बाई को परिवार चलाना मुश्किल तो हो गया परन्तु क्या करती उसका कोई सहारा भी नही था मजदूरी कर अपने बच्चों को पालती रही। वर्ष 2017 मे शशी बाई का भी देहान्त हो गया। अब तो बच्चो के भरोसे रह गया परिवार कोई नही रहा जिम्मेदार। अब तो बच्चों को परिवार चलाना मुश्किल हो गया। महेन्द्र प्रताप 14 वर्षीय, राहुल 13 वर्षीय, दुर्गेश 10 वर्षीय, शुभम 8 वर्षीय सभी नावालिक बच्चों का परिवार

बिना जिम्मेदारी का कैसे चले ऐसे मे बड़ा पुत्र महेन्द्र प्रताप 8वीं कक्षा की पढ़ाई छोड़कर परिवार चलाने का जिम्मा लिया और अपने पड़ोस मे रह रहे रिस्ते मे फूफा ने उनका सहयोग करने लगे। महेन्द्र प्रताप तो पढ़ाई छोड़ दिया लेकिन अपने छोटे भाईयों को पढ़ाई मे मदद करता रहा। अब राहुल 9वीं मे, दुर्गेश 7वीं मे, शुभम 2री कक्षा मे अध्ययन कर रहे है। परिस्थियों मे सुधार नही होने से उनके फूफा सुरेन्द्र विश्वकर्मा ने बच्चों को अपने घर पर ही रख लिया। परिवार का पालन पोषण किसी भी प्रकार से चलता रहा उसी बीच 2020 मे वैश्विक महामारी कोविड–19 के चलते पूरे भारत मे लॉकडाउन हो जाने से रोजमर्रा की मजदूरी कर जीवन यापन कर रहे मजदूरों का दैनिक जीवन मे काफी असर पड़ा है। ऐसे मे इस महेन्द्र प्रताप के परिवार का जीवन और ही कठिनाई से जूझ रहा है। लगातार परेशानी से जूझ रहा परिवार अब जीवन भी बेकार सा लगने लगा है यह पीड़ा किसी को बया नही पा रहे है। हर्रई गांव मानव जीवन विकास समिति व भारत रूरल लाईवलीहुड फाउण्डेशन के कार्यक्षेत्र का गांव भी है जिसके चलते समिति के सहयोग से इस कोरोना कोविड–19 वैश्विक महामारी से प्रभावित परिवारों का आर्थिक सहायता हेतु समिति ने 14 प्रकार की खाद्यान्न सामग्री किट बांटी जा रही थी इसमे महेन्द्र प्रताप का भी परिवार शामिल था इस घड़ी मे ये परिवार राशन किट पाकर बहुत ही प्रसन्न था।

वनांचल ग्राम फूलर मे जनमी अंधो बाई का जन्म एक आदिवासी गरीब परिवार मे हुआ था। कहा जाता है कि बचपन से अंधी होने से इनका नाम माता पिता अंधो बाई रख दिया। अंधो बाई सांस्कृतिक कला मे बहुत ही रूचि रखती थी जब कही भी सांस्कृतिक कार्यक्रम होते वहां जाकर सीखती रहती थी कुछ दिनो बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम मे निपुण हो गई। जैसे ही विवाह योग्य होती है माता पिता ने एक अंग से लाचार लड़के के साथ विवाह कर दिया और दोनो पति पत्नि मिलकर अपने जीवन को चला रहे है। अब उनके परिवार मे एक लड़का भी है जो नई खुशिया लेकर आया है। पति गांव मे ही मजदूरी करता है और पत्नि सांस्कृतिक कार्यक्रमों मे भाग लेती इससे जो भी पैसा मिलता है उतने मे परिवार बड़ी मुश्किल से चलता है। ऐसे ही दौर मे वैश्विक महामारी कोविड–19 के चलते देश मे लॉकडाउन होने से ये परिवार का जीवन दूभर हो गया। अब तो कही से एक वक्त का भोजन भी मिल जाये तो खुशी होगी। येसा ही कुछ हुआ मानव जीवन विकास समिति व भारत रूरल लाईवलीहुड फाउण्डेशन के कार्यकर्ताओं की मुलाकात अंधो बाई के परिवार से हुई। इस महामारी से प्रभावित परिवार को समिति के सहयोग से खाद्यान्न राहत सामग्री किट जिसमे 14 प्रकार की वस्तुओं का किट पाकर परिवार बेहद खुश नजर आया समिति को कोटी कोटी धन्यवाद् दिया।

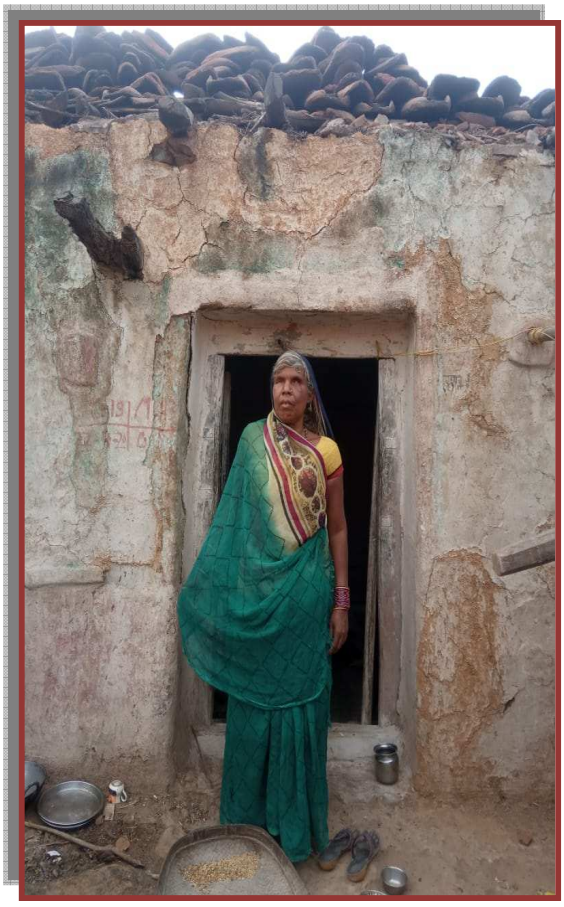

ग्राम रिचकुड़ी ग्राम पंचायत महँगाकला में निवास रत श्री कुमारी गोमती गोंड़ पिता श्री चिन्जा गोंड़ माता श्री मति आनंद रानी गोंड़ है। गोमती का जन्म सन 1990 में ग्राम रिचकुड़ी में हुआ था। गोमती बचपन से ही विकलांग है। गोमती ने कक्षा 01 से 05 वी तक की पढ़ाई ग्राम रिचकुड़ी के प्राथमिक शाला में अध्ययन किया इसके वाद गोमती कक्षा 06 वी से 08 वी तक 04 किलोमीटर ग्राम दोनी के माध्यमिक शाला में अध्ययन किया । गोमती ने अपनी पढ़ाई पूरी करने के लिए बहुत कष्ट झेले प्रति दिन वह 04 किलोमीटर पैदल चलकर स्कूल जाती थी। कक्षा 09 वी स्कूल बहुत दूर होने के कारण गोमती ने अपनी पढ़ाई 08 से ही छोड़ दी। बचपन से ही बहुत कठिनाईयो का सामना पड़ा और इसके चलते पिता श्री चिन्जा गोंड़ ने □ॉक्टरो से मिलकर दोनों पैर के ठीक होने के विषय पर चर्चा की □ाक्टरों ने गोमती के पिता श्री चिन्जा की बात सुनकर श्री चिन्जा को गोमती के दोनों पैरो का ऑपरेशन करवाने की सलाह दी । एवं श्री चिन्जा जी ने □ॉक्टरों की बात मान कर 2011 .12 में गोमती का ऑपरेशन करबा दिया। जबलपुर मे□िकल हॉस्पिटल में लेकिन गोमती का ऑपरेशन होने के बाद समय समय पर सही इलाज न हो पाने से गोमती के पैरो की स्थिति पहले से भी ज्यादा बिगड़ गई और गोमती के पैर बहुत कमजोर हो गए। जिसके चलते गोमती अपने पैरो के घुटनों के भल चलने लगी । और उसी समय से गोमती घुटनों के बल पर चलकर अपना जीवन बिता रही है। अपने घर मे रहकर वी□ी बनाकर अपना समय विताती है। और वी□ी बनाकर अपने घर का परिवार का खर्च चलाती है। गोमती 01 दिन में 500 से 600 बिड़ी बना पाती है। जो कि 1000 बीड़ी का 80 रुपये मिलता है । तो गोमती 01 दिन में 500 बीड़ी बनाती है। जिसका 40 रुपये मिलता है। तो इतने कम रुपये में घर का खर्चा नहीं चल पाता है। तो गोमती बहुत मुश्किलो का सामना करके प्राथमिक शाला रिचकुड़ी में समूह के माध्यम से स्कूल के बच्चों को मध्यान भोजन बनाने का कार्य करती है। जिसमें गोमती को 2000 रुपये प्रति माह प्राप्त होता हैं। गोमती के लिए रसोई का काम करना आशन नही है। परन्तु परिवार की गरीबी स्थिति को ध्यान में रखते हुए बहुत कठिनाई का सामना कर रही है।

इस बीच 2020 में वैश्विक महामारी कोवि□ .19 के चलते भारत सरकार ने कोवि□ 19 माहमारी के रोक थाम के लिये । भारत मे जनता कफ़र्यू का कदम उठाया जिससे लोगो को बहुत कठनाईयों का सामना करना पड़ा । और लोगो की मजदूरी पर भी लॉक□ौन का बहुत असर पड़ा और लोगों की मजदूरी एवं बीड़ी बनना बंद हो गया । इस समस्या से लोगो के साथ इनकी आर्थिक व्यबस्था और खान पान में बड़ी समस्या का सामना करना पड़ा। कोवि□ . 19 के चलते मानव जीवन विकास समिति कटनी/दमोह द्वारा ब्लॉक तेदूखे□ा जिला दमोह मध्य प्रदेश के 25 ग्राम पंचायतों के 60 ग्रामो में काम कर रही हैं भारत रूरल

लाइवलीहु□ फाउं□ेशन भारत सरकार के सहयोग से परियोजना का उद्देश्य है लघु सीमांत किसानों व बंचित मजदूर बेरोजगार लोगों की आजीविका ख□ी हो गाँव में कृषि आधारित गैर कृषि आधारित गाँव का पलायन रोकने का प्रयास किया जा रहा है । एवं इस बीच कोवि□.19 से परेशान असहाय मजदूरों का मानव जीवन विकास समिति कटनी द्वारा गरीब लोगों असहाय मजदूर लोगों का पता लगाकर गरीब असहाय लोगों को सूखा राशन वितरित कर रही थी । इस प्रकार गोमती की स्थिति को देखकर गोमती को भी राशन दिया गया। इस प्रकार ऐसे लोगो को राहत दी गई जिससे वह लोग लॉक□ौन में घर पर रहे स्वास्थ्य रहे और सुख से रहकर आशानी से भोजन कर सकते है। गोमती गोंड़ जी ने मानव जीवन विकास समिति कटनी को दिल से धन्यवाद दिया। और साथ ही मानव जीवन विकास समिति के संस्थापाक श्री निर्भय सिंह जी को धन्यवाद दिया। और संस्था के कार्यों से बहुत खुश हुई। और साथ ही सभी टीम मेम्बर को धन्यवाद कहा।

रहा खाद्यान्न का वितरण

तेंदूखेड़ा। अनाज लेने खड़े ग्रामीण।

तेंदूखेड़ा। कोरोना वायरस के चलते लगाए गए लॉकडाउन में गरीब आदमी भूखा न रहे इसके लिए सभी मिलकर प्रयास कर रहे हैं। इसी क्रम में मानव जीवन विकास समिति भारत रुरल लाइवलीहुड फाउंडेशन के सहयोग से 60 गांव के750 परिवारों को 12 टन खाद्यान्न वितरण किया जा रहा है। घनश्याम प्रसाद रैकवार ने बताया कि कोरोना वायरस के फैलाव को रोकने के संबंध में आवश्यक जानकारी लोगों को दी जा रही है और लोगों को खाद्यान्न का निशुल्क वितरण किया जा रहा है। ग्राम पंचायतों में सरपंच, सचिव की मौजूदगी में वास्तविक दिहाड़ी मजदूर को खाद्यान्न वितरण किया जा रहा है। समदई, पटेरियामाल, हररई सिंगौरगढ़, रिछ्याऊ, रिचकुड़ी, महगुवां कला, अजीतपुर, दलपतपुर, खमरियाकला, देवरी निजाम आदि गांव में अनाज का वितरण किया गया।

मानव जीवन विकास समिति ने वितरित किया खाद्यान

तेंदूखेड़ा। खाद्यान देते मानव जीवन विकास समिति के सदस्य।

तेंदूखेड़ा(नईदुनिया न्यूज)। कोरोना वायरस के कारण देश भर में लगे लॉक डाउन केकारणर ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत गरीब लोगों की स्थिति काफी खराब होने लगी है। ऐसे ही लोगों की मदद के कटनी की मानव जीवन विकास समिति आगे आई गुरुवार को तेंदूखेड़ा ब्लाक के कई गांव में पहुंचकर उन्होंने गरीबों, दिव्यांग परिवारों को खाद्यान वितरित किया और मास्क व सैनिटाइजर भी दिए। इस संबंध में मानव जीवन विकास समिति के ब्लाक समन्वयक घनश्याम रैकवार ने बताया कि ग्राम पंचायत बग़दरी, घुटरिया व झलोन ग्राम पंचायत में कोरोना वायरस संक्रमण की रोकथाम के लिए लोगों को जागरुक किया और उन्हे खाद्यान का वितरण किया। इस मौके पर ग्राम पंचायत झलोन के रोजगार सहायक सचिव निसार खान, कम्पूटर आपरेटर सोनू खान, पंचायत सहायक कार्यकर्ता धन सिंह, उमाकांत राय, मिलन ध्रुर्वे आदि की उपस्थिति रही।

धन्यवाद्!